पहली भूमिगत मेट्रो 3 का काम फ़ास्ट ट्रैक पर

मुंबईकरों का इंतजार होगा ख़त्म

सूर्यप्रकाश मिश्र

आर्थिक राजधानी की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो 3 के लिए मुंबईकरों का इंतजार जल्द ही ख़त्म होगा .33 .5 किमी बांद्रा-कोलाबा-सीप्ज मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है .मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो 3 की टनलिंग का काम पूरा हो गया है .राज्य में सरकार बदलते ही मेट्रो 3 सहित अन्य परियोजनाओं में तेजी लाने की पहल शुरू हो चुकी है .प्लेटफॉर्म,इंट्री-एग्जिट एस्कैलेटर आदि कई काम चल रहे हैं .एनएटीएम वर्क भी तेजी से चल रहा है .एमएमआरसी की टीम लक्ष्य के अनुसार काम को गति देने में लगी हुई है . हुतात्मा चौक-सीएसएमटी स्टेशन का काफी काम हो चुका है .प्लेटफार्म का लगभग 80 प्रतिशत और कॉनकोर्स लेवल अर्थात टिकट घर के साथ स्टेशन के छत का काम भी लगभग 95 प्रतिशत हो गया है .अंडरग्राउंड स्टेशनों के फिलिंग का काम भी हो रहा है . इस तरह स्टेशन से संबंधित अन्य कार्य भी 85 प्रतिशत तक हो गए हैं .कफपरेड,विधानभवन,चर्चगेट और हुतात्मा चौक स्टेशन का काफी काम हो चुका है .एमएमआरसी के अनुसार सीप्ज,सिद्धिविनायक और एमआयडीसी स्टेशनों पर शतप्रतिशत ट्रैक बिछाने का काम हो चुका है .मुंबई सेन्ट्रल,विधानभवन स्टेशनों का काम भी अंतिम चरण में है .अगले साल तक इस मेट्रो का संचालन करने का लक्ष्य एमएमआरसीएल का है .

ट्रैक के लिए एलवीटी तकनीक

मेट्रो 3 के अंडरग्राउंड स्टेशनों पर ट्रैक बिछाने के लिए लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है,ताकि मेट्रो चलते समय भूमिगत स्टेशनों और ऊपर रोड पर भी पर भी कंपन न हो.आम रेल ट्रैक की बजाय अलग लेयर वाली पटरी बिछाई जा रही है.लगभग 35 प्रतिशत ट्रैक का काम पूर्ण हो चुका है.टनलिंग का काम पूरा होने के बाद स्टेशन,प्लेटफार्म और कॉनकोर्स लेवल अर्थात टिकट घर के साथ स्टेशन के छत का काम भी तेजी से शुरू है.

कारशेड का निर्माण तेज

जापान सरकार के वित्तीय सहयोग से एमएमआरसी द्वारा किए जा रहे इस बहुद्देशीय प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार ने आरे में ही कारशेड बनाए जाने का निर्णय लिया है.मेट्रो 3 परियोजना के लिए आरे में ही कारशेड अप्रैल 2023 तक तैयार हो जाएगा.उसके बाद आरे-बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) खंड के बीच पहले चरण का संचालन 8 महीने बाद दिसंबर 23 तक शुरू करने का लक्ष्य है.आरे में कारशेड 30 प्रतिशत निर्माण हो गया है.

बीकेसी में बैक अप कंट्रोल सेंटर

2014 में आरे में एमएमआरसी को 30 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई थी और इतना क्षेत्र 41 रेकों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त है. प्रारंभिक योजना में 8 डिब्बों के 31 रेक आसानी से कारशेड में समायोजित होंगे.एमडी अश्विनी भिड़े के अनुसार आरे डिपो साइट पर कोई बाधा नहीं आएगी.वैसे भी बीकेसी मेट्रो स्टेशन पर बैक अप कंट्रोल सेंटर (बीसीसी) बनाने का फैसला किया गया है.

एलवीटी तकनीक

उल्लेखनीय है कि मेट्रो 3 के अंडरग्राउंड स्टेशनों पर ट्रैक बिछाने का काम शुरू है.इसके लिए लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है,ताकि मेट्रो चलते समय भूमिगत स्टेशनों और ऊपर रोड पर भी पर भी कंपन न हो.इसके लिए आम रेल ट्रैक की बजाय अलग लेयर वाली पटरी बिछाई जा रही है.एमएमआरसी के अनुसार सीप्ज,सिद्धिविनायक और एमआयडीसी स्टेशनों पर शतप्रतिशत ट्रैक बिछाने का काम हो चुका है.मुंबई सेन्ट्रल,विधानभवन स्टेशनों का काम भी अंतिम चरण में है.

9 रेक के साथ पहला चरण

बांद्रा-कोलाबा-सीप्ज तक 33.5 किमी भूमिगत मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है. भूमिगत मेट्रो की टनलिंग का काम लगभग पूरा हो गया है.मेट्रो 3 का निर्माण कर रही एमएमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े के अनुसार मेट्रो 3 के लिए आरे में कारशेड का काम लगभग 29 प्रतिशत पूरा हो गया है.उन्होंने कहा कि पहले चरण के लिए ऑपरेशनल कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) को छोड़कर लगभग सभी सुविधाएं तैयार हो जाएंगी.रेक जिसके लिए अप्रैल 2023 तक सुविधाएं तैयार कर ली जाएंगी उसके बाद अगले तीन से चार महीनों में पूरे कॉरिडोर से जुड़े काम पूरे कर लिए जाएंगे.मेट्रो के 9 रेक के साथ पहला चरण का यात्री संचालन शुरू होगा.भूमिगत ट्रैक पर मरोल मरोशी में ट्रायल रन की योजना है.मेट्रो 3 के रेक मुम्बई पहुंच गए हैं.इन्हें आरे में ही रखने की तैयारी की गई है.मेट्रो के 3 रेक तैयार हैं.पहले चरण का ट्रायल अगले वर्ष तक शुरू करने का लक्ष्य है.

(पृष्ठ 2 पर)

भूमिगत मेट्रो के बारे में

- कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33 .50 किमी लंबी मुंबई की यह पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो 3 है .
- इस मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं,इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड तथा 1 स्टेशन जमीन के ऊपर .
- इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 33 हजार करोड़ है .
- यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न को सेंट्रल लाइन से जोड़ने का काम करेगी .
- अंडरग्राउंड होने के कारण मुंबई की ट्रैफिक से निजात मिलेगी .

पहली भूमिगत मेट्रो 3 का काम फ़ास्ट ट्रैक पर

(पृष्ठ 13 से)

अश्विनी भिड़े को जिम्मेदारी

राज्य सरकार ने मेट्रो 3 का निर्माण कर रही एमएमआरसीएल के एमडी पद का अतिरिक्त कार्यभार वरिष्ठ आईएएस अश्विनी भिड़े को दे दिया है.उल्लेखनीय है कि मेट्रो 3 के लिए आरे में कारशेड बनाए जाने की जिम्मेदारी देवेंद्र सरकार के समय में अश्विनी भिड़े को ही दी गई थी.एक बार एमएमआरसी की जिम्मेदारी अश्विनी भिड़े को दी गई है.इससे मेट्रो 3 के साथ कारशेड के काम में भी तेजी आ गई है .

बढ़ी लागत को मंजूरी

वर्ष 2016 में एमएमआरसीएल के माध्यम से मेट्रो 3 के काम की शुरुआत हुई.जापान सरकार के वित्तीय सहयोग से शुरू हुए अंडर ग्राउंड मेट्रो के काम को 2021 तक पूरा करने का लक्ष्य था,परंतु कोरोना,कारशेड विवाद सहित अनेक कारणों की वजह से परियोजना में देरी होती रही.देरी की वजह से लागत बढ़कर 33 हजार करोड़ हो गई है.राज्य सरकार ने बढ़ी हुई लागत को हाल ही में मंजूरी भी दे दी है.

भूमिगत मेट्रो के बारे में

- कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33 .50 किमी लंबी मुंबई की यह पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो 3 है .
- इस मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं,इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड तथा 1 स्टेशन जमीन के ऊपर .
- इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 33 हजार करोड़ है .
- यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न को सेंट्रल लाइन से जोड़ने का काम करेगी .
- अंडरग्राउंड होने के कारण मुंबई की ट्रैफिक से निजात मिलेगी .